

रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को टाइगर रज़िर्व घोषित किया जाएगा चर्चा में क्यों?

भोपाल के नजदक स्थित मध्य प्रदेश का [रातापानी वन्यजीव अभयारण्य](#) राज्य का 8वाँ [टाइगर रज़िर्व](#) बनने के लिये तैयार है।

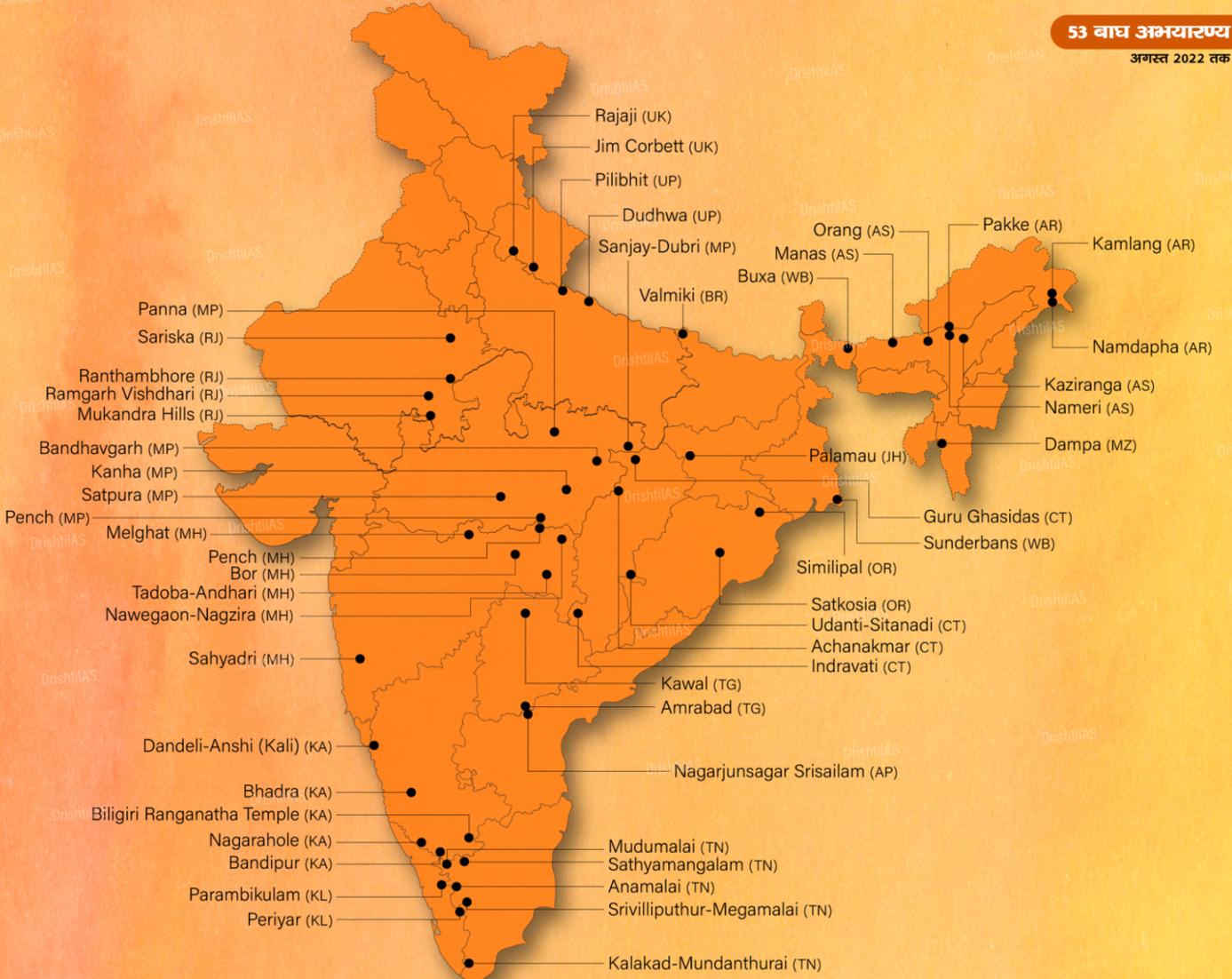
प्रमुख बंदि

- **रातापानी वन्यजीव अभयारण्य:** अपनी समृद्ध जैवविविधता और सांस्कृतिक महत्त्व के लिये जाना जाने वाला यह अभयारण्य [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण \(NTCA\)](#) की सभी आवश्यकताओं को पूरा कर चुका है और राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक में अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है।
- **स्थान और क्षेत्र:** रातापानी वन्यजीव अभयारण्य **रायसेन, सीहोर और भोपाल ज़िलों में लगभग 3,500 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।** इसमें से 1,500 वर्ग किलोमीटर को कोर टाइगर क्षेत्र के रूप में नामित किया जाएगा, जबकि 2,000 वर्ग किलोमीटर बफर जोन के रूप में काम करेगा।
- **बाघों की जनसंख्या:** अभयारण्य में लगभग **40 बाघ हैं, इसके अतिरिक्त 12 बाघ** नियमित रूप से भोपाल के नजदक वन क्षेत्रों में वचिरण करते हैं।
- **पर्यटन और अर्थव्यवस्था:** टाइगर रज़िर्व का दर्जा मिलने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और सरकारी वित्त पोषण में वृद्धि के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।
- **सुरक्षा उपाय:** दुर्घटनाओं और अवैध शिकार के कारण बाघों की मृत्यु को रोकने के लिये 25 ओवरपास और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा तथा कोर क्षेत्र के गाँवों को स्थानांतरित किया जाएगा।
- **जैवविविधता:** बाघों के अलावा, अभयारण्य में **वभिन्न प्रकार के वन्यजीव** पाए जाते हैं, जिनमें [तेंदुए](#), [लकड़बग्घे](#), [सयार](#) और [चीतल](#), [साँभर](#) और [नीलगाय](#) जैसे कई शाकाहारी जानवर शामिल हैं। यहाँ 150 से ज़्यादा पक्षी प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं, जो इसे पक्षी प्रेमियों के लिये एक स्वर्ग बनाती हैं।
- **ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व :** अभयारण्य में [भीमबेटका शैलाश्रय](#), एक [यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल](#), एवं अनेक ऐतिहासिक स्थल हैं, जो इस क्षेत्र में सांस्कृतिक मूल्य जोड़ते हैं।

बाघ अभयारण्य

53 बाघ अभयारण्य

अगस्त 2022 तक



तथ्य

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की सिफारिश पर राज्य सरकार किसी क्षेत्र को बाघ अभयारण्य/टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित कर सकती है।
- सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य (कोर क्षेत्र): नागार्जुनसागर श्रीशैलम (आंध्रप्रदेश)
- सबसे छोटा बाघ अभयारण्य: ओरंग (असम)
- सर्वाधिक बाघ घनत्व वाला अभयारण्य: कॉर्बेट (उत्तराखंड) (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)
- सर्वाधिक बाघ आबादी वाला राज्य: मध्य प्रदेश (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)

